वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष:5 अंक: 332 | शुक्रवार 8 मई 2026 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

जयपुर आगमन पर राजनाथ सिंह का स्वागत

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह गुरुवार को जयपुर एयरपोर्ट पहुंचे। इस अवसर पर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़, उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी व डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने उनको फूलों का गुच्छा भेंट कर अगुवानी की।

एसएमएस में शुरू होगी ईवनिंग ओपीडी

अधिक रोगीभार को देखते हुए कुछ विभागों में शुरू की जाएगी यह व्यवस्था

प्रथम चरण में मेडिसिन विभाग से होगी शुरूआत

शाम 5 से 7 बजे तक परामर्श ले सकेंगे रोगी

प्रमुख शासन सचिव ने किया स्वास्थ्य सुविधाओं का निरीक्षण

जल्द बढ़ाई जाएगी दवा वितरण केंद्रों की संख्या

जयपुर. शाबाश इंडिया

सवाई मानसिंह अस्पताल में मरीजों को सुगमता से उपचार उपलब्ध करवाने एवं क्राउड मैनेजमेंट के लिए अधिक रोगी भार वाले विभागों में ईवनिंग ओपीडी शुरू की जाएगी। पहले चरण में यह शुरूआत मेडिसिन विभाग से होगी। इसके साथ ही दवा वितरण काउंटरों की संख्या बढ़ाई जाएगी एवं जांच के लिए सैम्पल कलेक्शन हेतु मानव संसाधन बढ़ाया जाएगा।

चिकित्सा शिक्षा विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने गुरूवार को सवाई मानसिंह अस्पताल में स्वास्थ्य सुविधाओं के निरीक्षण के दौरान इस संबंध में अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सवाई मानसिंह अस्पताल देश के सबसे बड़े एवं नामी अस्पतालों में शामिल है, इसलिए यहां रोगीभार अधिक होना स्वाभाविक है, लेकिन रोगियों को इलाज में किसी तरह की परेशानी का सामना नहीं करना पड़े।

अधिक समय तक कतारों में नहीं खड़ा रहना पड़े, इसके लिए अस्पताल प्रशासन तात्कालिक इंतजाम सुनिश्चित करने के साथ ही दीर्घकालिक योजना पर भी काम करे। प्रमुख शासन सचिव ने दवा वितरण केंद्रों का निरीक्षण करते हुए निर्देश दिए कि रोगीभार को देखते हुए तत्काल प्रभाव से चार से पांच नए काउंटर खोले जाएं। साथ ही, आवश्यक दवा सूची में शामिल शत–प्रतिशत दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि जो दवाएं नियमित आपूर्ति के माध्यम से प्राप्त नहीं हों, उनकी नियमानुसार खरीद कर रोगी को उपलब्ध करवाई जाएं। इसके लिए कॉन्फेड आदि संस्थाओं के साथ भी समन्वय किया जा सकता है। उन्होंने ब्लड सैम्पल कलेक्शन सेंटर का भी निरीक्षण किया और यहां मानव संसाधन बढ़ाने के निर्देश दिए, ताकि रोगियों को इंतजार नहीं करना पड़े।

ईवनिंग ओपीडी में वरिष्ठ चिकित्सक भी रहेंगे उपलब्ध

गायत्री राठौड़ ने धन्वंतरि ओपीडी में कार्डियोलॉजी, मेडिसिन एवं आर्थोपेडिक्स विभाग का दौरा कर वहां स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा लिया। उन्होंने निर्देश दिए कि जिन विभागों में रोगी भार अत्यधिक रहता है, उनमें वैकल्पिक व्यवस्था के तौर पर ईवनिंग ओपीडी भी शुरू की जाए, ताकि रोगियों को ज्यादा समय तक अस्पताल में नहीं रहना पड़े। उन्होंने प्रथम चरण में मेडिसिन विभाग में शाम 5 से 7 बजे तक ओपीडी सेवाएं शुरू करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शाम के समय भी ओपीडी में वरिष्ठ चिकित्सकों सहित पर्याप्त संख्या में चिकित्सक एवं अन्य स्टाफ मौजूद रहेगा। यह व्यवस्था सफलतापूर्वक लागू होने पर अन्य विभागों में भी ईवनिंग ओपीडी शुरू किए जाने पर विचार किया जाएगा।

छाया–पानी के हों पुख्ता प्रबंध, रोगियों को नहीं हो कोई परेशानी

राठौड़ ने अस्पताल में सामान्य वार्ड एवं अन्य चिकित्सा सेवाओं का भी निरीक्षण किया। उन्होंने हीटवेव एवं तेज गर्मी के दृष्टिगत अस्पताल में कूलिंग के समुचित इंतजाम सुनिश्चित करने तथा रोगी एवं परिजनों के लिए पेयजल व छायादार स्थानों की उपलब्धता के लिए भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि तात्कालिक आवश्यकताओं के लिए नियमानुसार आरएमआरएस के फण्ड का उपयोग किया जाए, लेकिन रोगियों को किसी प्रकार की तकलीफ नहीं हो।

रोगियों से संवाद कर लिया फीडबैक

प्रमुख शासन सचिव ने निरीक्षण के दौरान रोगियों एवं उनके परिजनों से संवाद भी किया। उन्होंने अस्पताल में मिल रही स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में फीडबैक लिया। रोगियों से मिले फीडबैक के आधार पर उन्होंने जरूरी सुधार करने के निर्देश भी दिए।

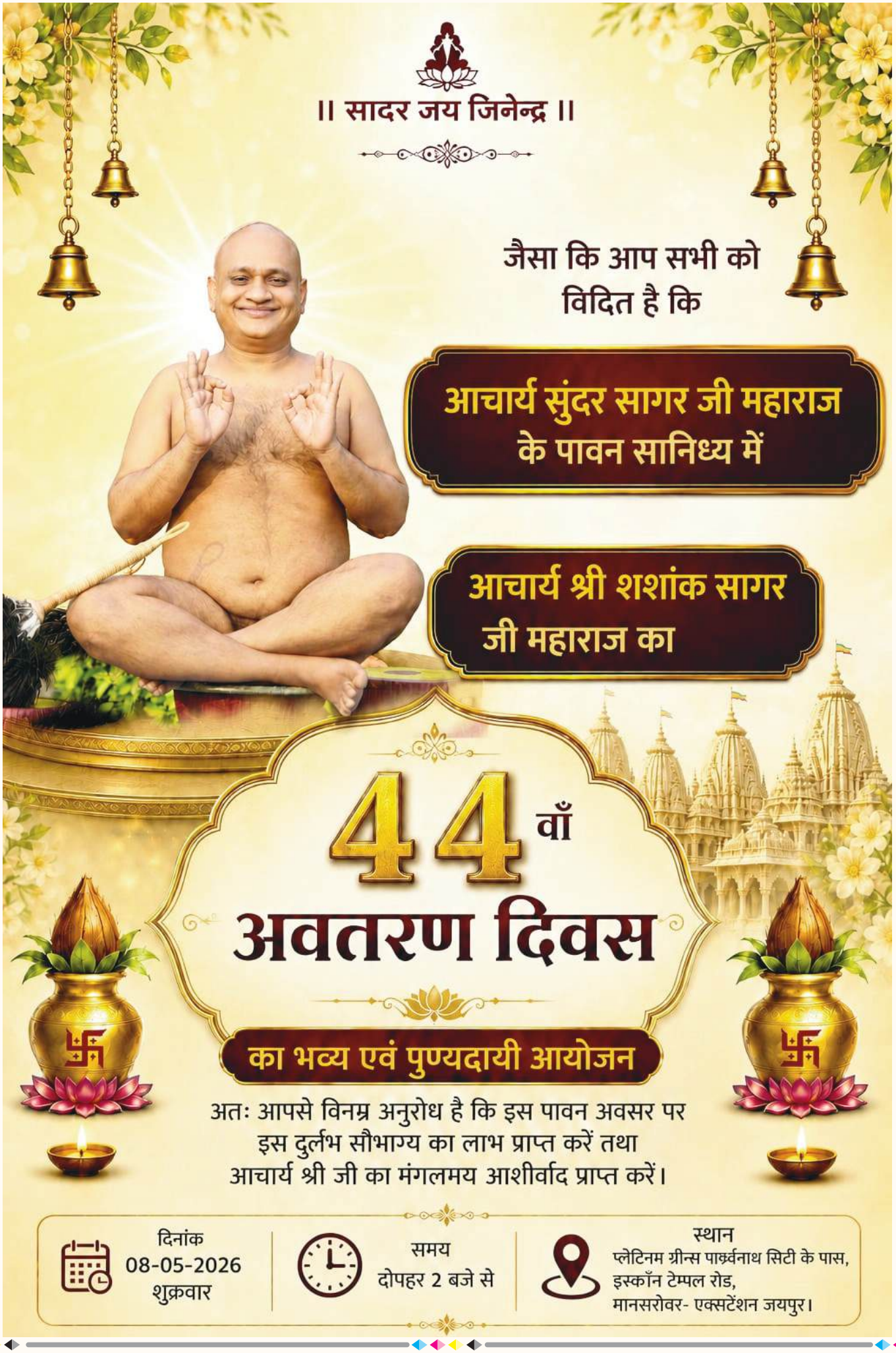
॥ सादर जय जिनेन्द्र ॥
जैसा कि आप सभी को
विदित है कि
आचार्य सुंदर सागर जी महाराज
के पावन सानिध्य में
आचार्य श्री शशांक सागर
जी महाराज का
44 वाँ
अवतरण दिवस
का भव्य एवं पुण्यदायी आयोजन
अतः आपसे विनम्र अनुरोध है कि इस पावन अवसर पर
इस दुर्लभ सौभाग्य का लाभ प्राप्त करें तथा
आचार्य श्री जी का मंगलमय आशीर्वाद प्राप्त करें।
दिनांक
08-05-2026
शुक्रवार
समय
दोपहर 2 बजे से
स्थान
प्लेटिनम ग्रीन्स पार्श्वनाथ सिटी के पास,
इस्कॉन टेम्पल रोड,
मानसरोवर- एक्सटेंशन जयपुर।

॥ श्री आदिनाथाय नमः ॥

दिगम्बर जैन मंदिर श्री नेमिनाथजी (सांवलाजी), आमेर

(जन-जन की आस्था एवं सामाजिक गतिविधियों का केंद्र)

के

इन्द्रलोक

का जीर्णोद्धार कर

(नव साज सज़ा के साथ –नये रूप में)

निर्मल कुमार कर्पूरचंदजी पाटनी सभागार का

लोकार्पण समारोह

रविवार, दिनांक 10 मई 2026

प्रातः 10:30 बजे

स्थान : भट्टारक जी की नसियाँ

आपकी उपस्थिति सादर प्रार्थनीय है।

...आयोजक एवं निवेदक...

दिगम्बर जैन मंदिर श्री नेमिनाथजी (सांवलाजी), आमेर

सुधांशु कासलीवाल – अध्यक्ष

उमरावमल संधी – मानद मंत्री

एवम समस्त कार्यकारिणी कमेटी

(अनुरोध : कार्यक्रम के पश्चात अल्पाहार लेकर पधारे)

राजनीति

संकट की घड़ी में दुनिया की संजीवनी है रेडक्रॉस

योगेश कुमार गोयल

मानवता और सेवा का पर्याय बन चुकी रेडक्रॉस संस्था आज पूरी दुनिया में संकटग्रस्त लोगों के लिए संजीवनी का कार्य कर रही है। प्रतिवर्ष 8 मई को विश्व रेडक्रॉस दिवस मनाया जाता है। यह दिन रेडक्रॉस के संस्थापक महान मानवतावादी जीन हेनरी डयूनेंट की जयंती के रूप में मनाया जाता है, जिन्होंने मानव सेवा के उद्देश्य से इस वैश्विक आंदोलन की नींव रखी थी। रेडक्रॉस की स्थापना वर्ष 1863 में हुई थी। डयूनेंट 1859 में इटली के सालफिरोनो युद्ध में घायल सैनिकों की दर्दनाक स्थिति देखकर अत्यंत व्यथित हुए थे। युद्धभूमि में हजारों सैनिक बिना उपचार के तड़प रहे थे। इस भयावह अनुभव ने उन्हें मानव सेवा के लिए प्रेरित किया। उन्होंने अपने अनुभवों पर आधारित पुस्तक ''मेमोरी ऑफ सालफिरोनो'' लिखी, जिसने विश्व समुदाय को झकझोर दिया। इसके बाद 1863 में अंतर्राष्ट्रीय रेडक्रॉस समिति का गठन हुआ और 1864 के जेनेवा समझौते के तहत ''अंतर्राष्ट्रीय रेडक्रॉस आंदोलन'' अस्तित्व में आया। जेनेवा सम्मेलन में रेडक्रॉस के मूल सिद्धांत निर्धारित किए गए तथा युद्ध में घायल सैनिकों और पीड़ितों की सहायता के लिए विभिन्न देशों में राष्ट्रीय समितियों के गठन पर बल दिया गया। इसी सम्मेलन में सफेद झंडे पर लाल क्रॉस के प्रतीक को मान्यता मिली, जो आज विश्वभर में मानव सेवा और सुरक्षा का प्रतीक है। प्रारंभिक दौर में रेडक्रॉस का कार्य युद्ध में घायल सैनिकों और युद्धबंदियों तक सीमित था, लेकिन समय के साथ इसके दायित्वों का दायरा बहुत व्यापक हो गया। दुनिया में कहीं भी भूकंप, बाढ़, भूस्खलन, महामारी या अन्य प्राकृतिक एवं मानवीय आपदाएं आती हैं तो रेडक्रॉस की टीमें सबसे पहले राहत एवं बचाव कार्यों में जुट जाती हैं। प्रथम और द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान भी रेडक्रॉस ने लाखों लोगों की सहायता कर मानवता की मिसाल पेश की थी। वर्तमान में रेडक्रॉस 190 से अधिक देशों में सक्रिय है। भारत में ''भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी'' की स्थापना वर्ष 1920 में हुई थी। इसकी सराहनीय सेवाओं को देखते हुए अंतर्राष्ट्रीय रेडक्रॉस समिति ने इसे मान्यता प्रदान की। आज देशभर में इसकी 750 से अधिक शाखाएं कार्यरत हैं, जो आपदा राहत, स्वास्थ्य सेवाओं और जनकल्याण के कार्यों में निरंतर सक्रिय हैं।

संपादकीय

भारत के दृढ़ संकल्प की अमिट गाथा

ऑपरेशन सिंदूर को एक वर्ष पूर्ण हो चुका है। यह अभियान आज पूरे देश में 'शौर्य' और राष्ट्रीय गर्व के प्रतीक के रूप में याद किया जा रहा है। यह केवल एक सैन्य कार्रवाई नहीं थी, बल्कि आतंकवाद के विरुद्ध भारत की बदली हुई नीति और दृढ़ इच्छाशक्ति का स्पष्ट संदेश भी था। पहलगाम आतंकी हमले के बाद 7 मई 2025 को शुरू किया गया यह अभियान भारतीय सशस्त्र बलों के साहस, रणनीतिक क्षमता और 'नेशन फर्स्ट' की भावना का जीवंत उदाहरण बन गया।

22 अप्रैल 2025 को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले ने पूरे देश को झकझोर दिया था। आतंकियों ने धर्म के आधार पर पर्यटकों को निशाना बनाते हुए 26 निर्दोष नागरिकों की हत्या कर दी। इस अमानवीय घटना के बाद देशभर में आक्रोश फैल गया। पाकिस्तान समर्थित आतंकी संगठनों की भूमिका सामने आने के बाद भारत सरकार ने स्पष्ट कर दिया कि आतंक और वार्ता साथ-साथ नहीं चल सकते। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने त्वरित और निर्णायक कार्रवाई का निर्णय लिया। ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारतीय वायुसेना और अन्य सुरक्षा बलों ने पाकिस्तान स्थित नौ प्रमुख आतंकी ठिकानों पर सटीक हमले किए। लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसे संगठनों के ठिकानों को निशाना बनाकर आतंक की पूरी संरचना को गहरा आघात पहुंचाया गया। विभिन्न रिपोर्ट्स के अनुसार, इस कार्रवाई में बड़ी संख्या में आतंकवादी मारे गए और उनकी सप्लाई चेन बुरी तरह प्रभावित हुई। यह अभियान भारत की सुरक्षा नीति में एक ऐतिहासिक परिवर्तन का संकेत भी था। पहले आतंकी घटनाओं के बाद सीमित प्रतिक्रिया और कूटनीतिक विरोध तक ही कार्रवाई सीमित रहती थी, लेकिन ऑपरेशन सिंदूर ने यह साबित कर दिया कि भारत अब दुश्मन के घर में घुसकर जवाब देने में सक्षम है। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने इसे भारत के सैन्य इतिहास का ''स्वर्णिम अध्याय'' बताया और सैनिकों के ''नेशन फर्स्ट, सर्विस बिफोर सेल्फ'' के मूलमंत्र की सराहना की। अभियान के दौरान स्वदेशी हथियारों, आधुनिक ड्रोन तकनीक और त्रि-सेवाओं के उत्कृष्ट समन्वय का प्रभावी उपयोग किया गया। रियल टाइम इंटेलिजेंस और सटीक रणनीति ने भारतीय सेना की क्षमता को वैश्विक स्तर पर नई पहचान दिलाई। पाकिस्तान ने जवाबी कार्रवाई के दावे किए, लेकिन युद्धविराम और अंतरराष्ट्रीय प्रतिक्रियाओं ने भारत की सामरिक बढ़त को स्पष्ट कर दिया। अमेरिका की मध्यस्थता से 10 मई को युद्धविराम लागू हुआ, किंतु भारत का संदेश पूरी दुनिया तक पहुंच चुका था—आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस। ऑपरेशन की पहली वर्षगांठ पर आयोजित ''शौर्य'' कार्यक्रम ने देशभक्ति और सैनिक सम्मान की भावना को और मजबूत किया। भारत गेट पर सैन्य सम्मान, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और देशभक्ति गीतों के माध्यम से वीर जवानों को श्रद्धांजलि दी गई। कलाकारों और सैन्य अधिकारियों की उपस्थिति ने इस आयोजन को राष्ट्रीय संकल्प का स्वरूप प्रदान किया। इस अभियान का प्रभाव कश्मीर में भी दिखाई दिया है। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

अमेरिका-ईरान तनाव में ऐतिहासिक मोड़

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

पश्चिम एशिया की भू-राजनीति इस समय एक निर्णायक मोड़ पर खड़ी है। लंबे समय से जारी अमेरिका और ईरान के तनावपूर्ण संबंध अब संभावित कूटनीतिक समाधान की दिशा में बढ़ते दिखाई दे रहे हैं। लगभग 40 दिनों तक चले सैन्य संघर्ष ने न केवल क्षेत्रीय शांति को प्रभावित किया, बल्कि वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति, व्यापार मार्गों और अंतरराष्ट्रीय अर्थव्यवस्था पर भी गहरा असर डाला। विशेष रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य, जहां से दुनिया के बड़े हिस्से का तेल परिवहन होता है, संघर्ष का केंद्र बना रहा। इस तनाव का सबसे अधिक प्रभाव ऊर्जा आयात पर निर्भर देशों पर पड़ा। भारत जैसे देशों में तेल कीमतों में बढ़ोतरी के कारण महंगाई और आर्थिक दबाव बढ़ा। ऐसे माहौल में 8 अप्रैल 2026 को लागू दो सप्ताह का युद्धविराम महत्वपूर्ण कूटनीतिक पहल साबित हुआ। पाकिस्तान की मध्यस्थता में इस्लामाबाद में हुई वार्ताओं ने संवाद का रास्ता खोला। इसके बाद 21 अप्रैल को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा युद्धविराम को अनिश्चितकाल तक बढ़ाने के निर्णय ने संकेत दिया कि दोनों पक्ष अब टकराव के बजाय बातचीत को प्राथमिकता दे रहे हैं। 6 मई 2026 की रिपोर्टों के अनुसार अमेरिका और ईरान एक मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग पर सहमति के करीब पहुंच चुके हैं। यदि यह समझौता अंतिम रूप लेता है तो यह केवल वर्तमान संघर्ष को समाप्त नहीं करेगा, बल्कि व्यापक परमाणु समझौते की दिशा भी तय करेगा। इसे वैश्विक कूटनीति के लिए ऐतिहासिक अवसर माना जा रहा है। प्रस्तावित समझौते के तहत दोनों देश मध्य पूर्व में सैन्य गतिविधियों को सीमित करने तथा संघर्ष समाप्त करने पर सहमत हो सकते हैं। पिछले महीनों में समुद्री हमले, ड्रोन स्ट्राइक और रणनीतिक ठिकानों पर हमलों ने अंतरराष्ट्रीय व्यापार को गंभीर रूप से प्रभावित किया था। ऐसे में युद्धविराम की संभावना वैश्विक बाजारों के लिए राहत का संकेत है। समझौते का दूसरा महत्वपूर्ण पहलू होर्मुज जलडमरूमध्य से जुड़ा है। संघर्ष के दौरान इस मार्ग पर अस्थिरता के कारण तेल बाजारों में भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिला। अब दोनों देशों के बीच जहाजों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने और जलमार्ग को चरणबद्ध तरीके से सामान्य बनाने पर सहमति बनने की संभावना जताई जा रही है। इससे ऊर्जा बाजारों में स्थिरता लौट सकती है। तीसरा और सबसे संवेदनशील मुद्दा ईरान के परमाणु कार्यक्रम का है। ईरान ने संकेत दिया है कि वह सीमित अवधि तक यूरेनियम संवर्धन रोकने और परमाणु हथियार न बनाने की प्रतिबद्धता पर विचार कर सकता है। बदले में अमेरिका आर्थिक प्रतिबंधों में राहत और फ्रीज की गई संपत्तियों को वापस करने के संकेत दे रहा है। हालांकि अभी भी मिसाइल कार्यक्रम, निरीक्षण व्यवस्था और क्षेत्रीय प्रभाव जैसे कई मुद्दों पर मतभेद बने हुए हैं। इस पूरे घटनाक्रम का वैश्विक प्रभाव व्यापक हो सकता है। ऊर्जा कीमतों में स्थिरता, शेयर बाजारों में सकारात्मक माहौल और अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में संवाद आधारित समाधान की नई उम्मीद पैदा हो सकती है। भारत के लिए भी यह समझौता रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि उसकी ऊर्जा सुरक्षा काफी हद तक पश्चिम एशिया पर निर्भर है। हालांकि इतिहास बताता है कि ऐसे समझौते बेहद नाजुक होते हैं। 2015 का परमाणु समझौता भी राजनीतिक अविश्वास के कारण टिक नहीं पाया था। इसलिए इस बार सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि दोनों देश कितनी ईमानदारी और पारदर्शिता के साथ अपने वादों को लागू करते हैं।

दिव्यांगों की सहायता करना करुणा का प्रत्यक्ष प्रदर्शन है : उपाध्याय मुनि पुण्यनंदी

खेरवाड़ा. शाबाश इंडिया

कस्बे के महावीर नगर स्थित शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में प्रवासरत आचार्य पद्मानंदी के परम प्रभावक शिष्य उपाध्याय मुनिश्री पुण्यनंदी के सानिध्य में पंचामृत अभिषेक एवं गुरुवर के मुखारविंद से शांतिधारा का आयोजन हुआ। मूलनायक शांतिनाथ भगवान की शांतिधारा का सौभाग्य रोशनलाल-लक्ष्मी नागदा परिवार को प्राप्त हुआ, जबकि विधिनायक भगवान की शांतिधारा का लाभ हीरा देवी किकावत परिवार, भाणदा ने लिया। इससे पूर्व सोमवार रात्रि में श्रीजी की आरती के पश्चात गुरुदेव की आरती की गई तथा धर्मसभा में जैन धर्म के सिद्धांतों पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। गुरुवार प्रातः मंगल प्रवचन में उपाध्याय मुनिश्री पुण्यनंदी ने कहा कि जरूरतमंदों, दिव्यांगों एवं बीमार व्यक्तियों की सहायता करने से व्यक्ति पुण्य का अर्जन करता है, जो भविष्य के जीवन को सुखमय बनाता है। उन्होंने कहा कि निःस्वार्थ भाव से किया गया करुणा दान पूर्व के अशुभ कर्मों को क्षीण करता है, जिसे जैन दर्शन में ''कर्म निर्जरा'' कहा गया है। यह मोक्ष मार्ग में सहायक सिद्ध होता है। उन्होंने कहा कि दिव्यांगों की सहायता करना करुणा का प्रत्यक्ष स्वरूप है, जो जैन धर्म के मूल सिद्धांत ''अहिंसा'' को सुदृढ़ करता है। जब व्यक्ति निस्वार्थ भाव से सेवा करता है तो उसके मन से मोह, लोभ एवं क्रोध जैसे कषाय कम होते हैं, जिससे आत्मा की शुद्धि होती है। प्रवचन से पूर्व सकल दिगंबर जैन समाज महावीर कॉलोनी की ओर से गुरुदेव के गृहस्थ जीवन के दो बाल सखाओं का श्रीफल एवं माल्यार्पण कर स्वागत-अभिनंदन किया गया। वे गुरुदेव के दर्शन एवं आशीर्वाद प्राप्त करने हेतु प्रवास पर पहुंचे थे। इस अवसर पर प्रवीण शाह, रंजन जैन, महेंद्र जैन, दिनेश जैन, रोशनलाल नागदा, रजनीकांत भगोरिया, सुरेश जैन, डॉ. रितेश, विशाल नागदा सहित अनेक धर्मावलंबी उपस्थित रहे।

दिगंबर जैन महासमिति राजस्थान अंचल द्वारा निःशुल्क संस्कार शिक्षण शिविर के बैनर का विमोचन

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन महासमिति राजस्थान अंचल के तत्वावधान में महिला अंचल एवं सभी संभागों के सहयोग से निःशुल्क संस्कार शिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर में लगभग 3000 से अधिक प्रतिभागियों के भाग लेने की संभावना है। महासमिति राजस्थान अंचल के अध्यक्ष अनिल कुमार जैन एवं महामंत्री महावीर बाकलीवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि 7 मई को परम पूज्य आचार्य श्री 108 सुंदर सागर जी महाराज, आचार्य श्री 108 शशांक सागर जी महाराज एवं समस्त संघ के सान्निध्य में शिविर के बैनर का भव्य विमोचन एवं वाचन किया गया। इस अवसर पर धर्ममय वातावरण में श्रद्धालुओं ने मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया। उन्होंने बताया कि संस्कार शिक्षण शिविर रविवार 17 मई से मंगलवार 26 मई 2026 तक आयोजित किया जाएगा। शिविर में बच्चों एवं युवाओं को भारतीय संस्कृति, जैन धर्म के श्रेष्ठ संस्कार, नैतिक शिक्षा, व्यक्तित्व विकास एवं सामाजिक जिम्मेदारियों से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की जाएगी। कार्याध्यक्ष डॉ. णमोकार जैन, राजेंद्र शाह एवं अशोक लुहारिया ने बताया कि संगठन मंत्री लोकेश सोगानी एवं जिनेश कुमार जैन के निर्देशन में शिविर का मुख्य उद्देश्य नई पीढ़ी को संस्कारवान बनाते हुए उन्हें धर्म, संस्कृति एवं सामाजिक मूल्यों से जोड़ना है। शिविर के दौरान धार्मिक शिक्षण, संस्कार निर्माण, प्रेरणादायक गतिविधियां, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, नैतिक शिक्षा एवं व्यक्तित्व विकास से जुड़े विशेष सत्र आयोजित किए जाएंगे। महिला अंचल एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों ने समाज के अधिक से अधिक बच्चों एवं अभिभावकों से शिविर में सहभागिता निभाकर आयोजन को सफल बनाने की अपील की है। इस अवसर पर डॉ. राजेश जैन, अशोक जैन खेड़ली, महिला अध्यक्ष श्रीमती शकुंतला जैन, श्रीमती सुमन जैन, श्री राजेश एडवोकेट सहित अनेक समाजबंधु एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। आयोजकों ने बताया कि इस प्रकार के संस्कार शिविर बच्चों के उज्ज्वल भविष्य निर्माण में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं तथा उनमें नैतिक मूल्यों, अनुशासन एवं सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति जागरूकता विकसित करते हैं।

धूमधाम से मनाई गई रवीन्द्रनाथ टैगोर जयंती

सांगानेर. शाबाश इंडिया। आदिनाथ पब्लिक स्कूल में 7 मई 2026 को महान कवि, साहित्यकार एवं नोबेल पुरस्कार विजेता ''गुरुदेव'' रवीन्द्रनाथ टैगोर की जयंती बड़े उत्साह एवं श्रद्धा के साथ मनाई गई। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने गुरुदेव की प्रसिद्ध कविताओं, गीतों एवं विचारों की सुंदर प्रस्तुतियां देकर सभी को भाव-विभोर कर दिया। इसी क्रम में विद्यार्थियों ने टैगोर जी के विद्यार्थी जीवन पर आधारित एक लघु नाटक भी प्रस्तुत किया, जिसे सभी ने सराहा। विद्यालय की प्रिंसिपल डॉ. पवना शर्मा ने अपने प्रेरणादायक संबोधन में कहा कि रवीन्द्रनाथ टैगोर के विचार आज भी हमें सच्ची शिक्षा, मानवता और एकता का संदेश देते हैं तथा समाज को नई दिशा प्रदान करते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को गुरुदेव के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने और रचनात्मकता की ओर अग्रसर होने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय की अध्यापिका श्रीमती सुमन जैन ने किया। सम्पूर्ण कार्यक्रम विद्यार्थियों एवं उपस्थित जनों के लिए प्रेरणादायक एवं ज्ञानवर्धक रहा।

43 डिग्री की तपती धूप में नंगे पैर निकले बालमुनि अनुकरण सागर

अंबाह से पोरसा तक पद विहार बना श्रद्धा का महासंगम

अंबाह. शाबाश इंडिया

मई माह की भीषण गर्मी में, जब लोग दोपहर के समय घरों से निकलने से बच रहे हैं, वहीं बुधवार को अंबाह में त्याग, तपस्या और आत्मसंयम का अद्भुत दृश्य देखने को मिला। लगभग 43 डिग्री तापमान और तेज गर्म हवाओं के बीच बालमुनि अनुकरण सागर जी महाराज ने बुधवार शाम करीब 3 बजे अंबाह से पोरसा की ओर नंगे पैर पद विहार किया। तपती सड़कें, तेज धूप और गर्म हवाओं के बावजूद मुनि श्री शांत भाव एवं संयम के साथ निरंतर आगे बढ़ते रहे।

ज्ञात रहे कि पिछले लगभग एक सप्ताह से अंबाह में विराजमान रहकर मुनि श्री धर्म प्रभावना कर रहे थे। उनके प्रवचन, आहारचर्या और तपश्चर्या के दर्शन के लिए प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे थे। बुधवार को जैसे ही उनके पद विहार की सूचना मिली, श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। बड़ी संख्या में लोग धर्ममय वातावरण में उनके साथ चलते दिखाई दिए। पूरे मार्ग में ''णमोकार मंत्र'' और धार्मिक जयघोष गूंजते रहे।

भीषण गर्मी के बावजूद श्रद्धालुओं का उत्साह देखने योग्य था। महिलाएं, युवा और बुजुर्ग सभी मुनि श्री के दर्शन एवं धर्म लाभ के लिए मार्ग में खड़े नजर आए। कई श्रद्धालुओं ने कहा कि जहां सामान्य व्यक्ति कुछ मिनट धूप में चलने से परेशान हो जाता है, वहीं जैन संतों का यह तप और त्याग अद्भुत एवं प्रेरणादायक है। लगभग डेढ़ घंटे की पदयात्रा के बाद मुनि श्री पोरसा पहुंचे, जहां जैन समाज एवं श्रद्धालुओं ने उनका भव्य स्वागत किया। धर्म ध्वज, मंगल कलश और जयघोषों के बीच पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा।

प्रवचन में दिया आत्मसंयम और संस्कारों का संदेश

पद विहार से पूर्व अपने प्रवचन में मुनि श्री ने कहा कि आज का मनुष्य भौतिक सुख-सुविधाओं के पीछे भागते-भागते मानसिक शांति खो चुका है। बाहरी सुख कभी स्थायी नहीं हो सकते, वास्तविक सुख आत्मा की शांति और संतोष में निहित होता है। उन्होंने कहा कि जीवन में संयम और अनुशासन ही मनुष्य को महान बनाते हैं। मुनि श्री ने कहा कि कठिन परिस्थितियां मनुष्य की परीक्षा लेती हैं। जो व्यक्ति विपरीत परिस्थितियों में भी धैर्य बनाए रखता है, वही वास्तविक अर्थों में मजबूत कहलाता है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि जैसे सोना आग में तपकर कुंदन बनता है, उसी प्रकार मनुष्य भी तप, त्याग और संघर्ष से निखरता है।

उन्होंने कहा कि आज समाज में क्रोध, अहंकार, लोभ और दिखावे की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है। यही कारण है कि परिवारों में तनाव और समाज में अशांति बढ़ती जा रही है। यदि मनुष्य अपने भीतर करुणा, विनम्रता और सहनशीलता का भाव विकसित कर ले, तो उसका जीवन सुखमय बन सकता है।

युवाओं को संबोधित करते हुए मुनि श्री ने कहा कि वर्तमान समय में नई पीढ़ी तेजी से संस्कारों से दूर होती जा रही है। मोबाइल और भौतिक आकर्षणों में उलझकर युवा अपने जीवन के वास्तविक उद्देश्य को भूल रहे हैं। उन्होंने युवाओं से नशे, गलत संगति और हिंसा से दूर रहने तथा माता-पिता एवं गुरुजनों का सम्मान करने की प्रेरणा दी।

मुनि श्री ने कहा कि धर्म केवल पूजा-पाठ तक सीमित नहीं होना चाहिए। यदि हमारे व्यवहार में सत्य, अहिंसा, दया और सेवा का भाव नहीं है, तो धर्म अधूरा है। उन्होंने लोगों से जीव दया, सादगी और संयमपूर्ण जीवन अपनाने का आह्वान किया।

उन्होंने यह भी कहा कि मनुष्य को अपनी इच्छाओं पर नियंत्रण रखना चाहिए, क्योंकि अनियंत्रित इच्छाएं ही दुख का सबसे बड़ा कारण बनती हैं। संतोष सबसे बड़ा धन है और जिसने संतोष प्राप्त कर लिया, वह जीवन में सदैव सुखी रहता है।

संतोष जैन एवं विमल जैन राजू ने बताया कि 43 डिग्री की भीषण गर्मी में नंगे पैर पद विहार करते हुए बालमुनि अनुकरण सागर जी महाराज ने एक बार फिर यह संदेश दिया कि आत्मबल और संयम के आगे कठिन से कठिन परिस्थितियां भी छोटी पड़ जाती हैं। उनका यह पद विहार श्रद्धालुओं के लिए केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि त्याग, तपस्या और आध्यात्मिक ऊर्जा का जीवंत उदाहरण बन गया।

टैगोर जयंती पर "चंडालिका" के माध्यम से नाट्य श्रद्धांजलि देगा नाटकवाला कला मंच

"सीमित संसाधन, बड़ा सपना: टैगोर जयंती पर रंगमंच को समर्पित आयोजन"

जयपुर. शाबाश इंडिया। नाटकवाला कला मंच द्वारा गुरुदेव रवीन्द्रनाथ ठाकुर की जयंती के उपलक्ष में 8 मई को नाट्य श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम के तहत दीप प्रज्वलन, गुरुदेव द्वारा रचित प्रसिद्ध नाटक ''चंडालिका'' पर रंग चर्चा एवं रंग पाठ प्रस्तुत किया जाएगा। साथ ही खुले रंगमंच के माध्यम से कलाकार अभिनय प्रस्तुतियां देंगे। कार्यक्रम के पोस्टर का विमोचन जयपुर स्थित रवीन्द्रनाथ ठाकुर प्रतिमा स्थल पर गुरुदेव की प्रतिमा के समक्ष किया गया। पोस्टर विमोचन जवाहर कला केंद्र तथा श्री बालाजी धाम ठाठर हनुमान मंदिर में भी किया गया। इस अवसर पर ओम प्रकाश सैनी ने बताया कि पिछले कई वर्षों से टैगोर जयंती के अवसर पर बड़े मंचों पर ''चंडालिका'' के मंचन के प्रयास किए जा रहे थे, लेकिन अवसर नहीं मिलने के बावजूद संस्था ने अपने स्तर पर कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया। उन्होंने कहा कि सीमित संसाधनों के बावजूद रंगमंच और साहित्य के प्रति समर्पण ही संस्था की सबसे बड़ी शक्ति है। उन्होंने बताया कि आगामी दिनों में आर्थिक सहयोग एवं जनसहभागिता के माध्यम से 'चंडालिका' का भव्य मंचन बड़े स्तर पर किया जाएगा, जिससे नए कलाकारों, ग्रामीण प्रतिभाओं एवं मंच से वंचित बच्चों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिल सके। ओम प्रकाश सैनी ने कहा कि गुरुदेव रवीन्द्रनाथ ठाकुर को सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि नए कलाकारों को मंच मिले, कला को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाया जाए तथा संघर्षशील प्रतिभाओं को पहचान दी जाए। पोस्टर विमोचन के दौरान रंगमंच कलाकार सुनील सोगण भी उपस्थित रहे। संस्था के अनुसार यह कार्यक्रम गुरुदेव के विचारों, सामाजिक चेतना एवं मानवीय समानता के संदेश को समर्पित रहेगा। कार्यक्रम में रंगकर्मी, साहित्य प्रेमी एवं युवा कलाकार भाग लेंगे। संस्था ने सभी कला प्रेमियों से कार्यक्रम में उपस्थित होकर गुरुदेव को नाट्य श्रद्धांजलि देने की अपील की है।

संस्कार से शिखर तक

नवीन भंडारी

तृतीय अध्याय (15 से 25 वर्ष)

यह उम्र जीवन का सबसे खूबसूरत और सबसे शक्तिशाली पड़ाव होती है। दिल में बड़े सपने, आँखों में चमक और कुछ कर दिखाने का जज्बा अपने पूरे उत्साह के साथ मौजूद रहता है। यही वह समय है, जब आपकी ऊर्जा, आपके विचार और आपके निर्णय मिलकर आपके भविष्य की मजबूत नींव तैयार करते हैं।

जीवन का सच

इस उम्र में उठाया गया हर कदम आपको आगे बढ़ाने की क्षमता रखता है। जब कोई युवा अपने समय का सही उपयोग करता है, अपने लक्ष्य पर केंद्रित रहता है और प्रतिदिन कुछ नया सीखने का प्रयास करता है, तो यही छोटे-छोटे प्रयास उसे बड़ी सफलता की ओर ले जाते हैं। जीवन का हर अनुभव–चाहे वह छोटा हो या बड़ा–व्यक्ति को और अधिक मजबूत तथा परिपक्व बनाने के लिए आता है।

संकल्प की ताकत

इस उम्र की सबसे बड़ी शक्ति सकारात्मक सोच और दृढ़ संकल्प है।

जब आप अपने लक्ष्य के प्रति स्पष्ट रहते हैं और अपनी ऊर्जा व समय को सही दिशा में लगाते हैं, तो सफलता के रास्ते स्वयं बनने लगते हैं।

''ना'' कहना भी एक महत्वपूर्ण शक्ति है, क्योंकि यही आपको गलत दिशा में भटकने से बचाती है।

अपनी जड़ों, संस्कारों और मूल्यों से जुड़े रहना व्यक्ति को हर परिस्थिति में संतुलित, स्थिर और मजबूत बनाए रखता है।

चरित्र – आपकी असली पहचान

डिग्री और ज्ञान महत्वपूर्ण हैं, लेकिन किसी भी व्यक्ति की वास्तविक पहचान उसके चरित्र से बनती है।

जब कोई युवा ईमानदारी, मेहनत और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ता है, तो वह केवल अपने लिए ही नहीं, बल्कि पूरे समाज के लिए प्रेरणा बन जाता है।

यही गुण उसे एक अलग पहचान दिलाते हैं और स्थायी सम्मान का आधार बनते हैं।

अंतिम संदेश

यह उम्र आपके जीवन का स्वर्णिम अवसर है। इसे पूरे विश्वास, ऊर्जा और सकारात्मक सोच के साथ जीना चाहिए।

हर दिन को एक नए अवसर की तरह अपनाइए, अपने सपनों को संजोइए और उन्हें पूरा करने के लिए निरंतर प्रयास करते रहिए।

आपके भीतर वह शक्ति मौजूद है, जो आपको उन ऊँचाइयों तक पहुंचा सकती है, जहाँ तक आपने अभी कल्पना भी नहीं की है।

रावतसर में पक्षियों के लिए मिसाल बने समाजसेवी संजीव कस्वां, 200 से अधिक स्थानों पर लगाए परिंडे

रावतसर. शाबाश इंडिया

भीषण गर्मी के इस दौर में जहां इंसान पानी की एक-एक बूंद के लिए जूझ रहा है, वहीं बेजुबान पक्षियों की प्यास बुझाने के लिए रावतसर के समाजसेवी संजीव कस्वां प्रेरणादायक अभियान चला रहे हैं। उन्होंने अब तक विद्यालयों एवं विभिन्न सार्वजनिक स्थानों पर 200 से अधिक परिंडे (जल पात्र) लगाकर अनूठी मिसाल पेश की है। संजीव कस्वां का यह प्रयास केवल सेवा कार्य नहीं, बल्कि प्रकृति और जीवों के प्रति उनकी संवेदनशील सोच को भी दशार्ता है। खास बात यह है कि वे प्रतिवर्ष 26 जुलाई को अपना जन्मदिन ''रक्तदान महा कल्याण'' के रूप में मनाते हैं तथा समाज सेवा के कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लेते हैं। उन्होंने इस पुनीत कार्य में सहयोग देने वाले सभी गुरुजनों का हार्दिक आभार व्यक्त किया। उनका कहना है कि यदि समाज के लोग मिलकर छोटे-

छोटे प्रयास करें, तो बड़े बदलाव संभव हैं। संजीव कस्वां ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि सभी लोग अपने घरों की छत, आंगन एवं बालकनी में एक परिंडा अवश्य लगाएं, ताकि भीषण गर्मी में पक्षियों को पानी मिल सके और उनका जीवन सुरक्षित रह सके। संजीव कस्वां द्वारा लगाए गए निःशुल्क परिंडे आज पक्षियों के लिए जीवनदायिनी साबित हो रहे हैं तथा समाज में जागरूकता का संदेश दे रहे हैं। उनका यह अभियान न केवल पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि मानवता और करुणा की सजीव मिसाल भी है।

राजस्थान संगीत संस्थान में स्नातक प्रवेश प्रक्रिया आरम्भ

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान के एकमात्र राजकीय संगीत महाविद्यालय ''राजस्थान संगीत संस्थान'' जयपुर में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. मुरारी लाल दायमा ने बताया कि राजकीय महाविद्यालय होने के कारण यहां वर्षभर की फीस अत्यंत कम रखी गई है। साथ ही यहां शिक्षण कार्य करने वाले आचार्य उच्च शिक्षित एवं आरपीएससी से चयनित हैं। विद्यार्थियों को राजकीय महाविद्यालय की सभी सुविधाएं जैसे एनएसएस एवं विभिन्न छात्रवृत्तियों का लाभ भी प्रदान किया जाता है। उन्होंने बताया कि संस्थान में गायन, वायलिन, सितार, कथक एवं तबला विषयों में स्नातक डिग्री प्रदान की जाती है, जो राजस्थान विश्वविद्यालय से संबद्ध है। नई शिक्षा नीति (एनईपी) के अंतर्गत सेमेस्टर प्रणाली लागू होने के बाद विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए विभिन्न सांगीतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाता है। प्रो. दायमा ने कहा कि यह एक प्रोफेशनल कोर्स है, जिसके माध्यम से विद्यार्थी स्नातक उपाधि प्राप्त करने के बाद संगीत एवं कला क्षेत्र में रोजगार के अनेक अवसर प्राप्त कर सकते हैं। विद्यार्थी केंद्रीय विद्यालय, नवोदय विद्यालय, रेलवे बोर्ड, निजी शिक्षण संस्थानों सहित विभिन्न मंचीय कार्यक्रमों के माध्यम से भी रोजगार अर्जित कर सकते हैं। प्रवेश प्रभारी प्रो. सुनीता श्रीमाली ने बताया कि बैचलर ऑफ परफॉर्मिंग आर्ट्स (बीपीए) पाठ्यक्रम के लिए विद्यार्थी ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। संगीत संस्थान के पेज पर उपलब्ध पोस्टर में दिए गए क्यूआर कोड के माध्यम से लिंक खोलकर गायन, तबला, वायलिन, सितार एवं कथक विषयों के लिए आवेदन किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त विद्यार्थी कियोस्क अथवा स्वयं ऑनलाइन फॉर्म भर सकते हैं। उन्होंने बताया कि अभ्यर्थी गवर्नमेंट कॉलेज शिक्षा विभाग, जयपुर की अधिकृत वेबसाइट पर जाकर ''राजस्थान संगीत संस्थान, जयपुर'' का चयन कर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। सीटें सीमित होने के कारण देशभर से विद्यार्थी यहां प्रवेश लेने के लिए उत्सुक रहते हैं।

हिंदुस्तान स्काउट एंड गाइड दल, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय रलावता, बांदीकुई की ओर से ''परिंडा अभियान'' चलाया गया

शाबाश इंडिया। हिंदुस्तान स्काउट एंड गाइड डीओ दौसा श्री सोनू शर्मा एवं ब्लॉक सचिव श्री शिवचरण चेची के निर्देशानुसार रेंजर लीडर नैंसी बैरवा तथा स्थानीय स्काउट मास्टर महावीर सिंह तँवर के नेतृत्व में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय रलावता में स्काउट्स एवं गाइड्स द्वारा स्वनिर्मित परिंडे पेड़ों पर लगाए गए। साथ ही सभी स्काउट्स ने प्रतिदिन पक्षियों के लिए परिंडों में पानी भरने की शपथ ली। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में साफ-सफाई अभियान भी चलाया गया तथा पौधों को पानी देकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के माध्यम से जीव दया एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने का प्रयास किया गया। कार्यक्रम के दौरान स्थानीय स्टाफ के सदस्य श्री राजेंद्र प्रसाद खटीक, श्रीमती नीरज कुमारी शर्मा, श्री खेम सिंह गुर्जर, कल्याण सहाय मीणा, नरेश कुमार गुर्जर, मुकेश कुमार मीणा, राजेंद्र प्रसाद मीणा, मुकेश कुमार प्रजापत, कांता जांगिड़, दुलारी देवी एवं शांति देवी सहित अन्य उपस्थित रहे। सभी ने हिंदुस्तान स्काउट एंड गाइड के इस सराहनीय अभियान की प्रशंसा की।

रामनाथपुरम: 'अहिंसा वॉक' की पहल से 1000 वर्ष प्राचीन महावीर प्रतिमा का अनावरण

रामनाथपुरम (तमिलनाडु). शाबाश इंडिया। तमिलनाडु के मेलत्थूवल ग्राम में भगवान महावीर की लगभग 1000 वर्ष पुरानी दुर्लभ प्रतिमा का अनावरण हुआ है। यह खोज दक्षिण भारत में जैन धर्म की समृद्ध विरासत का महत्वपूर्ण प्रमाण है। 11वीं शताब्दी की यह प्रतिमा काले पत्थर से निर्मित है, जिसकी ऊँचाई 3 फीट और चौड़ाई 2 फीट है। इसमें तीर्थंकर महावीर कमलासन पर 'अर्ध-पर्यंक' मुद्रा में विराजमान हैं। प्रतिमा पर अशोक वृक्ष, त्रि-छत्र, प्रभामंडल और चंवरधारी सेवक अत्यंत सुंदरता से उकेरे गए हैं। इस ऐतिहासिक धरोहर की जानकारी स्थानीय पुलिसकर्मी वेलमुरुगन ने दी। इसके पश्चात चेन्नई के 'अहिंसा वॉक' समूह ने स्थानीय निवासियों के सहयोग से प्रतिमा के संरक्षण हेतु एक सुरक्षित संरचना का निर्माण कराया। पुरातत्व विशेषज्ञ वी. राजगुरु के अनुसार, यह क्षेत्र प्राचीन काल में जैन धर्म और व्यापारिक गतिविधियों का प्रमुख केंद्र था। स्थल के समीप 2000 वर्ष पुराने लौह युगीन बर्तनों के अवशेष भी मिले हैं, जो प्राचीन मानव बसावट की पुष्टि करते हैं। हाल ही में आयोजित कुम्भाभिषेक समारोह में प्रोफेसर कनक अजित दास और अल्पसंख्यक आयोग के सदस्य पोन राजेन्द्र प्रसाद सहित अनेक गणमान्य जनों ने प्रतिमा की विधिवत पूजा-अर्चना की। इस संरक्षण कार्य में समाजसेवी श्री एम.के. जैन का विशेष सहयोग रहा। अरिहंत गिरि के श्री बसंत शास्त्री द्वारा यह महत्वपूर्ण जानकारी साझा की गई। यह खोज भारतीय आध्यात्मिक परंपरा और अहिंसा के सिद्धांतों को पुनर्जीवित करती है।

– राजेन्द्र जैन महावीर, सनावद

कुछ चीजें सहज ही अपनी ऊर्जा प्रदान कर देती हैं, जैसे – उपवास: अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज

औरंगाबाद/परतापुर, बांसवाड़ा (राजस्थान)

अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज एवं उपाध्याय पियूष सागरजी महाराज ससंघ इन दिनों परतापुर, बांसवाड़ा (राजस्थान) में विराजमान हैं। उनके सानिध्य में विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम एवं आध्यात्मिक गतिविधियां निरंतर संपन्न हो रही हैं। इसी श्रृंखला में आज उपस्थित गुरु भक्तों को संबोधित करते हुए आचार्य श्री ने कहा ''अग्नि के पास जाओ तो गर्माहट मिलती है, बर्फ के पास जाओ तो शीतलता मिलती है,
फूलों के बगीचे में जाओ तो सुगंध मिलती है,
और उपवास करो तो आरोग्यता स्वतः मिल जाती है।''

आचार्य श्री ने कहा कि महात्मा गांधी ने उपवास को आत्मशुद्धि और सत्याग्रह का सबसे बड़ा शस्त्र माना था। हर माह 1 उपवास शरीर के लिए उतना ही आवश्यक है, जितना आत्मा के लिए प्रार्थना। उपवास केवल भोजन का त्याग नहीं, बल्कि इच्छाओं पर नियंत्रण और आत्मसंयम का अभ्यास है। उन्होंने कहा कि उपवास जीवन की सर्वोत्तम औषधि है। उपवास मुख्यतः 3 प्रकार से किया जा सकता है।

निर्जल उपवास – जिसमें न कुछ खाया जाता है और न ही पिया जाता है।

द्रव उपवास – जिसमें जल, शिकंजी या नारियल पानी दिन में 1-2 बार लिया जा सकता है।

फलाहार उपवास – जिसमें फल एवं जल ग्रहण कर उपवास किया जाता है।

आचार्य श्री ने कहा कि शरीर और मस्तिष्क सबसे अच्छा कार्य तब करते हैं, जब पेट खाली होता है। उन्होंने बताया कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी वर्षायोग में 1 समय भोजन करते हैं तथा तीनों नवरात्रों में उपवास रखते हैं। अपने व्यक्तिगत अनुभव साझा करते हुए आचार्य श्री ने कहा ''हमने तीर्थराज सम्मेद शिखर पर्वत पर 557 दिनों में 496 दिन निर्जल उपवास किए तथा केवल 61 दिन आहार ग्रहण किया। आहार में केवल रागी, मूंगदाल, हरी सब्जियां, गुड़, चावल और खिचड़ी ही शामिल थे।''

उन्होंने कहा कि यह अनुभव सिद्ध करता है कि संयम और उपवास से केवल शरीर ही नहीं, बल्कि मन और आत्मा भी अत्यंत शक्तिशाली बनते हैं।

आचार्य श्री ने अंत में कहा कि उपवास केवल एक परंपरा नहीं, बल्कि आत्मबल, स्वास्थ्य और आत्मशुद्धि का दिव्य मार्ग है।

उन्होंने सभी से आह्वान किया –

''हर माह 1 उपवास अपनाइए और जीवन को स्वस्थ, संयमित एवं प्रकाशमय बनाइए।''

– नरेंद्र अजमेरा, पियूष कासलीवाल, औरंगाबाद

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

महात्मा गांधी राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय पालोदा में सिंगल यूज प्लास्टिक के दुष्प्रभावों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

अजीत कोठिया डडूका

महावीर इंटरनेशनल गढ़ी-परतापुर द्वारा महात्मा गांधी राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, पालोदा (एमजीजीएस) में विद्यार्थियों एवं गुरुजनों के लिए पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मिशन ऑक्सीजन, सिंगल यूज प्लास्टिक के दुष्प्रभाव तथा रूफ वाटर हार्वेस्टिंग के माध्यम से भूजल स्तर बढ़ाने संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां साझा की गईं। कार्यक्रम की शुरूआत में संस्था प्रधान सोविला माथुर ने महावीर इंटरनेशनल के पदाधिकारियों का स्वागत करते हुए विद्यालय का चयन करने पर आभार व्यक्त किया। महावीर इंटरनेशनल के इंटरनेशनल डायरेक्टर नॉलेज शेयरिंग एवं ई-चौपाल अजीत कोठिया ने विद्यार्थियों से ''प्लास्टिक मुक्त भारत अभियान'' बैनर का लोकार्पण करवाते हुए सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग से बचने का आह्वान किया। उन्होंने गुरुजनों से भूजल स्तर बढ़ाने के लिए रूफ वाटर हार्वेस्टिंग तकनीक अपनाने की अपील भी की। कार्यक्रम में प्रधानाचार्य सोविला माथुर ने गुरुजनों नवीन चंद्र द्विवेदी, प्रवीण कुमार पाटीदार, शशिकांत सुनोदिया, जिनेश पंड्या, नवीन गामोट, कपिल व्यास, अमित सोनी, ईश्वर चंद्र भट्ट, हर्षिली जैन, रजनीश जैन, किरण डामोर, नेहा जोशी, गौरव उपाध्याय, हार्दिक उपाध्याय, हरीश मकवाना, उर्मिला रेबारी, दिव्या मेहता, विष्णु टेलर, मुकेश बैरवा तथा जितेंद्र सिंह के सहयोग से विद्यालय में पर्यावरणीय परियोजनाओं को लागू करने एवं अधिकाधिक वृक्षारोपण करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का संचालन हर्षिली जैन ने किया तथा आभार किरण डामोर ने व्यक्त किया।

जेएलएन मेडिकल कॉलेज और जॉनसन एंड जॉनसन ने उन्नत सर्जिकल प्रशिक्षण कार्यक्रम का किया शुभारंभ

अजमेर (रोहित जैन)। जवाहरलाल नेहरू (जेएलएन) मेडिकल कॉलेज के सर्जरी विभाग ने गुरुवार को 'जॉनसन एंड जॉनसन इंस्टीट्यूट ऑफ सर्जिकल एजुकेशन एंड ट्रेनिंग' के सहयोग से एक उच्च-तकनीकी 'वेट लैब' कार्यशाला का शुभारंभ किया। इस विशेष कार्यक्रम का उद्घाटन प्राचार्य एवं नियंत्रक डॉ. अनिल सामरिया द्वारा किया गया। यह पहल शैक्षणिक उत्कृष्टता के साथ आधुनिक सर्जिकल तकनीकों को जोड़ने की प्रतिबद्धता को दशार्ती है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम मुख्य रूप से रेजिडेंट डॉक्टरों के लैप्रोस्कोपिक (दूरबीन पद्धति) कौशल को निखारने के लिए तैयार किया गया है। यह मॉड्यूल उच्च-सटीक 'हैंड्स-ऑन' ट्रेनिंग पर केंद्रित है, जो पारंपरिक अवलोकन के बजाय सक्रिय सिमुलेशन पर जोर देता है। पाठ्यक्रम में उन्नत लैप्रोस्कोपिक स्यूचरिंग, इंट्रा-कॉर्पोरियल निरंतर स्यूचरिंग, वॉल्ट क्लोजर और इप्सिलैटरल स्यूचरिंग जैसी जटिल तकनीकें शामिल हैं। इसके अलावा, पित्त की थैली के ऑपरेशन (कोलेसिस्टेक्टोमी), आंतों के एनास्टोमोसिस और लिवर रिसेक्शन के लिए विशेष सिमुलेशन अभ्यास कराए जा रहे हैं। उद्घाटन समारोह में चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अरविंद खरे, विभागाध्यक्ष डॉ. रेखा माहेश्वरी, डॉ. श्याम भूतडा, डॉ. शिव कुमार बुनकर, डॉ. प्रदीप वर्मा और डॉ. कल्पना अग्रवाल सहित डॉ. संजीव माहेश्वरी, डॉ. कमलेश तनवानी, डॉ. एमपी शर्मा, डॉ. महेंद्र खन्ना एवं डॉ. अमित यादव जैसे वरिष्ठ संकाय सदस्य उपस्थित रहे। डॉ. अनिल सामरिया ने कहा कि सर्जरी का भविष्य 'मिनिमली इनवेसिव' तकनीकों में है। उद्योग और शैक्षणिक संस्थानों की यह साझेदारी सुनिश्चित करेगी कि रेजिडेंट्स लैब से ऑपरेशन थिएटर तक का सफर आत्मविश्वास और सटीकता के साथ तय करें। अत्याधुनिक उपकरणों के माध्यम से होने वाला यह अभ्यास भविष्य में रोगी सुरक्षा और सर्जिकल परिणामों में क्रांतिकारी सुधार लाएगा। — **राजेन्द्र जैन महावीर, सनावद**

मोती कटरा स्थित श्री संभवनाथ दिगम्बर जैन बड़ा मंदिर में दो दिवसीय वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव का श्रद्धा, भक्ति और धार्मिक उल्लास के साथ शुभारंभ

आगरा. शाबाश इंडिया। मोती कटरा स्थित श्री संभवनाथ दिगम्बर जैन बड़ा मंदिर में दो दिवसीय वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव का शुभारंभ गुरुवार को श्रद्धा, भक्ति एवं धार्मिक उल्लास के साथ हुआ। सर्वांगभूषण आचार्यश्री चैत्यसागर जी महाराज ससंघ के सानिध्य में आयोजित इस महोत्सव में प्रातःकाल से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। मंदिर परिसर जयकारों, मंत्रोच्चार और भक्तिमय वातावरण से गुंजायमान हो उठा। महोत्सव के प्रथम दिवस पर प्रातः 8 बजे ध्वजारोहण के साथ श्री यागमंडल विधान का आयोजन किया गया। वहीं दोपहर 2:30 बजे से वास्तु विधान विधि-विधानपूर्वक संपन्न हुआ। धार्मिक अनुष्ठानों में महिला-पुरुषों, युवक-युवतियों एवं बच्चों ने बढ़-चढ़कर सहभागिता निभाई। श्रद्धालुओं ने पूर्ण श्रद्धा के साथ पूजन-अर्चन कर धर्मलाभ प्राप्त किया। अपने मंगल प्रवचनों में आचार्यश्री चैत्यसागर जी महाराज ने धर्म, संयम एवं आत्मकल्याण का संदेश देते हुए कहा कि जिनालय केवल पूजा का स्थान नहीं, बल्कि आत्मशुद्धि और संस्कारों का केंद्र होता है। उन्होंने समाजजनों से धर्म के प्रति आस्था बनाए रखने तथा नई पीढ़ी को संस्कारवान बनाने का आह्वान किया। महोत्सव के अंतर्गत नवीन वेदी प्रतिष्ठा के साथ 1008 भगवान सुपार्श्वनाथ, भगवान पार्श्वनाथ एवं भगवान महावीर स्वामी सहित 501 जिनविम्बों के विराजमान होने का पुण्य अवसर प्राप्त हो रहा है। आयोजन समिति के अनुसार 8 मई को प्रातः 6:30 बजे से अभिषेक एवं शांतिधारा प्रारंभ होगी तथा प्रातः 9 बजे श्रीजी को वेदी पर विराजमान कराने का भव्य एवं ऐतिहासिक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम के सफल संचालन में श्री अग्रवाल दिगम्बर जैन बड़ा मंदिर समिति, मोती कटरा के पदाधिकारियों एवं समाजसेवियों का विशेष सहयोग रहा। पूरे आयोजन के दौरान श्रद्धालुओं में भारी उत्साह एवं गहरी भक्ति भावना देखने को मिली। इस अवसर पर राकेश जैन पर्देवाले, अनिल जैन, अनंत कुमार जैन, मनोज जैन, विजय जैन, सुनील जैन, संजीव जैन सहित मोती कटरा जैन समाज के अनेक लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। **रिपोर्ट : शुभम जैन**

पद्मप्रभु दिगम्बर जैन मंदिर प्लेटिनम ग्रीन्स पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव का दूसरा दिन

गर्भकल्याणक उत्तर रूप की क्रियाओं में गूंजे श्रद्धा और आस्था के जयकारे

आज निकलेगी जन्म कल्याणक शोभायात्रा, 1008 कलशों से होगा जन्माभिषेक

जयपुर. शाबाश इंडिया

मुहाना मंडी रोड स्थित प्लेटिनम ग्रीन्स सोसाइटी के श्री पद्मप्रभु दिगम्बर जैन मंदिर में आयोजित छह दिवसीय श्री पद्मप्रभु जिनबिम्ब पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव के दूसरे दिन आचार्य सुन्दर सागर महाराज ससंघ एवं आचार्य शशांक सागर महाराज के सानिध्य में गर्भकल्याणक उत्तर रूप की विभिन्न धार्मिक क्रियाएं श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ सम्पन्न हुईं। दोपहर में माता की गोद भराई उत्सव का आयोजन किया गया। धार्मिक क्रियाओं को देखकर श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे। पूरा क्षेत्र भक्ति और आस्था के रंग में सराबोर नजर आया। महोत्सव के अंतर्गत शुक्रवार को तीर्थंकर बालक का जन्म कल्याणक महोत्सव मनाया जाएगा। इस अवसर पर विशाल शोभायात्रा निकाली जाएगी तथा पांडुक शिला पर 1008 कलशों से तीर्थंकर बालक का जन्माभिषेक किया जाएगा। दोपहर में आचार्य शशांक सागर महाराज का 44वां जिनकुल प्राप्ति प्रकट उत्सव भी मनाया जाएगा। समिति अध्यक्ष सुभाष गुप्ता एवं मंत्री विशाल जैन ने बताया कि सुबह नित्याभिषेक के पश्चात विश्व में सुख, शांति एवं खुशहाली की कामना के साथ शांतिधारा की गई। इसके बाद प्रतिष्ठाचार्य पं. मनोज जैन के निर्देशन में इन्द्र-इन्द्राणियों द्वारा गर्भ कल्याणक पूजा सम्पन्न हुई। इस अवसर पर सौधर्म इन्द्र राहुल-स्मृति सिंघल, कुबेर इन्द्र प्रशांत-अंतिमा जैन, महायज्ञनायक दिलीप-चेतना बंडी, यज्ञनायक मनीष-सुरभि सोगानी, चक्रवर्ती अनुज-हीना कासलीवाल, ईशान इन्द्र दिलीप-नमिता टकसाली सहित अन्य इन्द्र-इन्द्राणियों ने भक्ति भाव से पूजा-अर्चना की। इस दौरान श्रद्धालुओं ने वीरा प्रभु के ये बोल, महावीरा से ध्यान लगाना और हम जैन कुल में जन्मे अभिमान करो रे जैसे भजनों की स्वर लहरियों पर भाव-विभोर होकर नृत्य किया। धर्मसभा में आचार्य सुन्दर सागर महाराज के पाद पक्षालन का पुण्यार्जन नवीन जैन चकवाड़ा परिवार तथा जिनवाणी भेंट का पुण्यार्जन नाते-दोते परिवार ने किया। दीप प्रज्ज्वलन डॉ. सुरेश कुमार एवं राजेश काला द्वारा किया गया। अपने प्रवचन में आचार्य सुन्दर सागर महाराज ने कहा कि यदि पापकर्म का उदय हो तो वीतरागी मुनि द्वारा दिया गया सोना भी मिट्टी बन जाता है, जबकि पुण्यकर्म का उदय होने पर मिट्टी भी सोना बन जाती है। उन्होंने कहा कि मनुष्य भगवान बनाए या नहीं, लेकिन स्वयं परमात्मा अवश्य बन सकता है। जो व्यक्ति इच्छापूर्वक दान देता है, उसके घर में कभी कमी नहीं रहती। उन्होंने कहा कि तीर्थंकर वही बनते हैं, जो जीव मात्र के कल्याण की भावना रखते हैं। पूरे विश्व में तीर्थंकर बनने का मंत्र केवल वीतराग शासन जैन धर्म के पास है। किसी के वर्तमान को देखकर उसका उपहास नहीं उड़ाना चाहिए। तत्पश्चात 24 तीर्थंकरों की माताओं की संगीतमय पूजा की गई। प्रचार प्रभारी विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि दोपहर में शांति हवन, नवग्रह हवन एवं जल हवन के बाद श्रद्धालुओं ने जयकारों के बीच तीर्थंकर माता देवी की गोद भराई की। भगवान पद्मप्रभु की माता सुसीमा देवी का रूप धारण किए सुभद्रा जैन की गोद भराई सूखे मेवों के साथ की गई। संगीत की मधुर स्वर लहरियों के बीच गोद भराई कार्यक्रम में श्रद्धालुओं का उत्साह देखने योग्य था। शाम को आगमयुक्त शंका समाधान के पश्चात महाआरती हुई। गर्भकल्याणक के उत्तर रूप के अंतर्गत इन्द्र दरबार सजाया गया। सौधर्म इन्द्र द्वारा कौशाई नगरी की रचना एवं कुबेर द्वारा रत्नवर्षा की गई। महारानी की सेवा के लिए 56 कुमारिकाओं का आगमन एवं महाराजा धरण द्वारा 16 स्वप्न फलादेश सहित अनेक धार्मिक क्रियाएं सम्पन्न हुईं। रात्रि में इन्द्रसभा का आयोजन किया गया, जिसमें सौधर्म इन्द्र राहुल सिंघल एवं शचि इन्द्राणी स्वाति सिंघल विशेष विमान से दरबार में उपस्थित हुए तथा इन्द्रों द्वारा पूछी गई जिज्ञासाओं का समाधान किया।

आज निकलेगी जन्म कल्याणक की विशाल शोभायात्रा

मीडिया प्रभारी विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि शुक्रवार, 8 मई को सुबह 6 बजे से भगवान का जन्म कल्याणक महोत्सव प्रारंभ होगा। आचार्य सुन्दर सागर महाराज के मंगल प्रवचनों के बाद प्रातः 7:30 बजे जन्माभिषेक की विशाल शोभायात्रा निकाली जाएगी।

शोभायात्रा में आकर्षक झांकियां, बैंड, बग्गियां एवं हाथियों पर विराजमान इन्द्र-इन्द्राणियां विशेष आकर्षण का केंद्र रहेंगी। इसके पश्चात पांडुक शिला पर 1008 कलशों से तीर्थंकर बालक का जन्माभिषेक किया जाएगा। दोपहर में जन्म कल्याणक पूजा एवं हवन के बाद दोपहर 2 बजे से आचार्य शशांक सागर महाराज का अवतरण दिवस मनाया जाएगा। सायंकाल आगमयुक्त शंका समाधान एवं महाआरती होगी। रात्रि में सौधर्म इन्द्र द्वारा तांडव नृत्य, तीर्थंकर बालक का पालना झुलाना, बाल क्रीड़ाएं एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। प्रचार प्रभारी विनोद जैन कोटखावदा के अनुसार शनिवार, 9 मई को तप कल्याणक, रविवार 10 मई को केवलज्ञान कल्याणक तथा सोमवार, 11 मई को मोक्ष कल्याणक एवं विश्व शांति महायज्ञ आयोजित होगा। अंत में रथयात्रा के साथ श्रीजी को नवीन वेदियों में विराजमान किया जाएगा।

विनोद जैन कोटखावदा

एकता और सहयोग ही जीवन का मूल आधार है: जिनदेवी माताजी

धर्मसभा में हुए मंगल प्रवचन, आज होगा चूलगिरी अतिशय क्षेत्र में मंगल प्रवेश

जयपुर. शाबाश इंडिया

आचार्य रत्न बाहुबली महाराज की पट्टशिष्या गणिनीप्रमुख आर्यिकारत्न श्री जिनदेवी माताजी का शुक्रवार को आगरा रोड स्थित श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र चूलगिरी में भव्य मंगल प्रवेश होगा। पूजनीया माताजी ने गुरुवार को सेठी कॉलोनी स्थित श्री दिगम्बर जैन मंदिर में आयोजित धर्मसभा में मंगल प्रवचन देते हुए कहा कि मनुष्य जीवन में एकता का अत्यंत गहरा और व्यापक महत्व है। एकता केवल साथ रहने का नाम नहीं, बल्कि आपसी समझ, सहयोग और सद्भाव का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि एकता में अपार शक्ति होती है। अकेला व्यक्ति सीमित होता है, लेकिन जब लोग मिलकर कार्य करते हैं तो बड़ी से बड़ी समस्याओं का समाधान संभव हो जाता है। ''एक और एक ग्यारह होते हैं'' कहावत इसी सत्य को दर्शाती है। माताजी ने कहा कि जहां एकता होती है, वहां झगड़े और द्वेष कम होते हैं तथा समाज में शांति और संतुलन बना रहता है। किसी भी देश, समाज या परिवार की उन्नति एकता पर ही निर्भर करती है। जब सभी लोग एक दिशा में मिलकर कार्य करते हैं, तो सफलता शीघ्र और स्थायी रूप से प्राप्त होती है। उन्होंने कहा कि संकट के समय एकता सबसे बड़ा सहारा बनती है। मिलकर खड़े रहने से भय और कठिनाइयां कम हो जाती हैं। जैन धर्म का ''परस्परोपग्रहो जीवानाम्'' सिद्धांत भी यही संदेश देता है कि सभी जीव एक-दूसरे के सहायक हैं। अर्थात एकता और सहयोग ही जीवन का मूल आधार है। माताजी ने कहा कि एकता मनुष्य जीवन को मजबूत, शांतिपूर्ण और सफल बनाती है। बिना एकता के व्यक्ति और समाज दोनों कमजोर हो जाते हैं। धर्मसभा का समापन जिनवाणी स्तुति के साथ हुआ। विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि धर्मसभा के प्रारंभ में चित्र अनावरण एवं दीप प्रज्ज्वलन किया गया। इसके बाद श्रद्धालुओं द्वारा पूजनीया माताजी का पाद पक्षालन कर भक्तिभाव से जिनवाणी भेंट की गई। अध्यक्ष दीनदयाल पाटनी एवं महामंत्री धर्मीचंद जैन ने अतिथियों का स्वागत किया। आज होगा अतिशय क्षेत्र चूलगिरी में भव्य मंगल प्रवेश विनोद जैन कोटखावदा के अनुसार शुक्रवार, 8 मई 2026 को प्रातः 5:30 बजे पूज्य गणिनीप्रमुख आर्यिकारत्न श्री जिनदेवी माताजी ससंघ का मंगल विहार श्री दिगम्बर जैन मंदिर, सेठी कॉलोनी से अतिशय क्षेत्र चूलगिरी के लिए होगा। अतिशय क्षेत्र चूलगिरी में पूजनीया माताजी के मंगल प्रवेश पर क्षेत्र कमेटी द्वारा भव्य अगवानी की जाएगी। माताजी का क्षेत्र पर चार दिन के प्रवास की संभावना है।

विनोद जैन कोटखावदा

> ''एक और एक ग्यारह होते हैं'' कहावत इसी सत्य को दर्शाती है। माताजी ने कहा कि जहां एकता होती है, वहां झगड़े और द्वेष कम होते हैं तथा समाज में शांति और संतुलन बना रहता है...

पदमपुरा में 'पदम धाम' जैन मंदिर एवं 'विशद नन्दीश्वर' ध्यान केन्द्र का शिलान्यास

जयपुर (विनोद जैन कोटखावदा)

परम पूज्य आचार्य श्री विशद सागर महामुनिराज की पावन प्रेरणा एवं सानिध्य में रविवार को पदमपुरा में भव्य जैन मंदिर 'पदम धाम' तथा 'विशद नन्दीश्वर ध्यान केन्द्र' का शिलान्यास समारोह आयोजित किया जाएगा। इस ऐतिहासिक अवसर पर जयपुर सहित देशभर से बड़ी संख्या में श्रद्धालु सम्मिलित होंगे। विशद नन्दीश्वर ध्यान केन्द्र समिति के अध्यक्ष राकेश जैन (टंकी वाले) एवं मंत्री विमल बाकलीवाल ने बताया कि शिलान्यास कार्यक्रम का शुभारंभ रविवार प्रातः 7:00 बजे से होगा। राजस्थान जैन युवा महासभा के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा के अनुसार, यह समारोह पदम प्रभु विहार कॉलोनी में 'पदम ज्योति नेत्र चिकित्सालय' के सामने और चरण छत्री के पास स्थित भूमि पर आयोजित होगा। कार्यक्रम के अंतर्गत चित्र अनावरण, दीप प्रज्ज्वलन और देव-शास्त्र-गुरु की पूजा की जाएगी। इसके पश्चात आचार्य श्री के पाद प्रक्षालन, जिनवाणी भेंट एवं मंगल प्रवचन होंगे। अंत में विद्वानों द्वारा मंत्रोच्चार के साथ मंदिर एवं ध्यान केन्द्र की आधारशिला रखी जाएगी।

थर्मल इंजीनियर एसोसिएशन के चुनाव सम्पन्न, राजीव लोहमी अध्यक्ष और हेमंत नागर महासचिव निर्वाचित

✍ आजाद शेरवानी

कोटा. शाबाश इंडिया। थर्मल इंजीनियर एसोसिएशन ऑफ आरआरवीयूएनएल के चुनाव निर्धारित कार्यक्रमानुसार संपन्न हुए। सभी पदों के लिए एक-एक आवेदन प्राप्त होने के कारण सभी प्रत्याशियों को निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया। अध्यक्ष पद पर राजीव लोहमी, उपाध्यक्ष पद पर गिरीश कुमार नागर, महासचिव पद पर हेमंत कुमार नागर तथा कोषाध्यक्ष पद पर सनत कुमार शेषमा निर्वाचित हुए। सदस्य पद के लिए सुश्री शालिनी शर्मा, सुश्री प्रज्ञा गहलोत, सुरेंद्र कुमार एवं निखिल श्रीवास्तव को भी निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया।

थर्मल इंजीनियर एसोसिएशन ऑफ राजस्थान के संरक्षक राकेश गुप्ता ने सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शुभकामनाएं प्रेषित कीं। चुनाव प्रक्रिया चुनाव निर्वाचक अधिकारी ऋषि कुमार के निर्देशन में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। इस अवसर पर मुख्य अभियंता ने सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए चुनाव को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए ऋषि कुमार की सराहना की। अतिरिक्त मुख्य अभियंता शैलेन्द्र कुमार सिंह ने भी सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए संगठन द्वारा अभियंताओं एवं ऊर्जा क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की भूरि-भूरि प्रशंसा की। मुख्य अभियंता श्रीमती शिखा अग्रवाल ने एसोसिएशन को अभियंताओं के हितों के प्रति सदैव सजग रहने तथा प्लांट संचालन को और अधिक सुचारू एवं उत्पादन उन्मुख बनाने के लिए कार्य करने का आह्वान किया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष राजीव लोहमी ने अपनी नई जिम्मेदारी संभालते हुए संगठन को नई ऊंचाइयों तक ले जाने तथा अभियंताओं के हितों की मजबूती से रक्षा करने का संकल्प व्यक्त किया।

जेएसए क्रिकेट कॉर्निवल 16 व 17 मई को, ट्रॉफी का अनावरण

जयपुर. शाबाश इंडिया। जयपुर सिल्वर एसोसिएशन के बैनर तले फर्स्ट जेएसए क्रिकेट कॉर्निवल का आयोजन आगामी 16 व 17 मई को निर्माण नगर स्थित कौड़ीई क्रिकेट बॉक्स में किया जाएगा। कॉर्निवल की ट्रॉफी का अनावरण कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में एसोसिएशन के पदाधिकारियों की उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर व्यापारिक जगत की कई प्रतिष्ठित हस्तियां और क्रिकेट प्रेमी मौजूद रहे। जयपुर सिल्वर एसोसिएशन के अध्यक्ष उज्जवल डेरेवाला ने बताया कि क्रिकेट कॉर्निवल में 8 टीमों के करीब 90 खिलाड़ी भाग लेंगे। दो दिवसीय आयोजन के दौरान लीग, सेमीफाइनल और फाइनल सहित 10-10 ओवर के कुल 15 मुकाबले खेले जाएंगे। उन्होंने बताया कि आयोजन का मुख्य उद्देश्य जयपुर की सिल्वर इंडस्ट्री से जुड़े लोगों के बीच आपसी भाईचारे, एकता और खेल भावना को बढ़ावा देना है। ट्रॉफी अनावरण समारोह में मंत्री राहुल गंगवाल, कॉर्निवल संयोजक शुभम अग्रवाल एवं वेदांग मंगोड़ीवाला, उपाध्यक्ष अभिषेक बंसल एवं अभिनीत बूचरा, कोषाध्यक्ष दीपेश गोयल तथा सदस्य निशान विजयवर्गीय उपस्थित रहे। इसके अलावा कॉर्निवल के मुख्य प्रायोजक आईएसजेएस जयपुर शो के डायरेक्टर सुनील कुमार, को-स्पॉन्सर रामबाबू नाटाणी तथा टीम ओनर्स में डॉ. अरुण गर्ग, अमित माहेश्वरी, नितिन डेरेवाला, मृदुल डेरेवाला, मितेश गोयल, प्रतीक गर्ग, अरुण खंडेलवाल एवं चिराग अग्रवाल भी मौजूद रहे।

भारत विकास परिषद वैशाली शाखा का दायित्व बोध ग्रहण कार्यक्रम सम्पन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

भारत विकास परिषद, वैशाली शाखा, जयपुर द्वारा सत्र 2026-27 के लिए कार्यशाला एवं दायित्व बोध ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन वैशाली नगर स्थित शिवकुंज मैरिज गार्डन में किया गया। कार्यक्रम में श्री विक्रांत खंडेलवाल, श्री त्रिभुवन शर्मा, श्री हेमंत जोशी, श्री आर. एस. सक्सेना, श्रीमती कविता साहनी, श्री मनोज मित्तल एवं श्री महेश मंगल की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं वंदे मातरम् के साथ हुआ। शाखा अध्यक्ष श्री गोवर्धन शर्मा ने स्वागत भाषण दिया, जबकि सचिव श्री चैनाराम सेपट ने शाखा का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। मुख्य वक्ताओं ने संगठन की गतिविधियों, संस्कार, सेवा कार्यों तथा महिला सहभागिता जैसे विषयों पर अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर श्री मनोज कुमार मित्तल एवं श्री हेमंत जोशी ने नवीन कार्यकारिणी को शपथ दिलाई। अध्यक्ष श्री गोवर्धन शर्मा, सचिव श्री चैनाराम सेपट, कोषाध्यक्ष श्री आशीष शर्मा सहित अन्य पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने अपने दायित्व ग्रहण किए। कार्यक्रम में लगभग 85 सदस्यों की सहभागिता रही। संचालन श्रीमती शीला शर्मा एवं श्री गुंजन सक्सेना ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन श्री आशीष शर्मा ने प्रस्तुत किया। राष्ट्रगान एवं भोजन प्रसादी के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

चैनाराम सेपटः सचिव, वैशाली शाखा, जयपुर

अग्रसेन पब्लिक स्कूल में होगा "समर कैंप 2026-27" का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

विद्यार्थियों की प्रतिभा, कौशल और आत्मविश्वास को निखारने के उद्देश्य से हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी सांगानेरी गेट स्थित श्री अग्रसेन पब्लिक स्कूल में 20 मई से 20 जून तक "समर कैंप 2026-27" का आयोजन किया जाएगा। स्कूल सचिव कमल नानूवाला ने बताया कि समर कैंप के दौरान बच्चों को वेस्टर्न, राजस्थानी एवं शास्त्रीय नृत्य, जूडो-कराटे, सेल्फ डिफेंस, ड्राइंग एवं पेंटिंग, हैंडराइटिंग इम्प्रूवमेंट, कैलीग्राफी, स्केटिंग तथा सिंगिंग जैसी विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि कैंप का समय प्रतिदिन प्रातः 7:30 बजे से 10:30 बजे तक रहेगा। इस कैंप में कक्षा 9 तक के छात्र-छात्राएं भाग ले सकेंगे। रजिस्ट्रेशन फॉर्म स्कूल कार्यालय से प्रतिदिन सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक प्राप्त किए जा सकते हैं।

सखी गुलाबी नगरी ने 'वी-देसी' उत्सव के जरिए दिया महिला सशक्तिकरण का संदेश

Sakhi Gulabi Nagari

देसी फ्लेवर... इंटरनेशनल टच के संगम पर झूमा जयपुर

जयपुर। महिला सशक्तिकरण और सामाजिक सेवा के संकल्प के साथ 'सखी गुलाबी नगरी' संस्था द्वारा मानसरोवर स्थित अनंत महल में 'वी-देसी' कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। भारतीय परंपरा और विदेशी आधुनिकता के संगम पर आधारित इस उत्सव में बड़ी संख्या में महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

संस्थापक अध्यक्ष का स्वागत उद्बोधन

संस्थापक अध्यक्ष सारिका जैन ने सभी का स्वागत करते हुए बताया कि संस्था पिछले 3 वर्षों से सामाजिक, धार्मिक और मनोरंजक गतिविधियों के साथ-साथ निर्धन एवं कमजोर वर्ग की सहायता के लिए समर्पित है। उन्होंने कहा कि आज के उत्सव की थीम 'देसी फ्लेवर इंटरनेशनल टच' महिलाओं की बहुमुखी प्रतिभा को निखारने का एक प्रयास है।

अध्यक्ष का संदेश

अध्यक्ष सुशमा जैन ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की।

मुख्य अतिथियों के प्रेरणादायक विचार

- **अध्यक्षता** : भाजपा महिला मोर्चा राजस्थान की प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती राखी राठौड़ ने कहा कि जब महिला शिक्षित और आत्मनिर्भर होती है, तो वह न केवल अपने परिवार बल्कि पूरे समाज और देश को भी मजबूती प्रदान करती है। अब समय आ गया है कि महिलाएं हर क्षेत्र में आगे बढ़कर अपनी पहचान स्थापित करें।
- **मुख्य अतिथि** : जीतो (JITO) जयपुर चैप्टर की चेयरपर्सन सलोनी जैन ने कहा कि आधुनिकता की दौड़ में आगे बढ़ना आवश्यक है, लेकिन अपनी संस्कृति और मूल जड़ों को भूलना उचित नहीं है।

ब्यूटी और ग्रूमिंग से जुड़ी खास जानकारी

सेलिब्रिटी मेकअप आर्टिस्ट अलिशा जैन ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम की शुरुआत की। उन्होंने महिलाओं को ब्यूटी और ग्रूमिंग से जुड़ी महत्वपूर्ण टिप्स और उपयोगी जानकारियां दीं, जिन्हें सभी ने सराहा।

विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति

विशिष्ट अतिथि सुनीताअजमेरा एवं निधि जैन सहित अन्य अतिथियों ने भी कार्यक्रम में उपस्थित होकर नारी शक्ति का उत्साहवर्धन किया। मालाबार गोल्ड एंड ज्वैलर्स की ओर से लकी ड्रॉ का आयोजन भी किया गया।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का आयोजन

कार्यक्रम के दौरान 'देसी बनाम विदेशी' थीम पर सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गई, जिनका सफल संचालन आशा जी के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

आभार और सम्मान

संस्था की सचिव ममता सेठी ने सभी अतिथियों एवं सदस्यों का आभार व्यक्त किया। कार्यकारिणी सदस्यों की सक्रिय भागीदारी और शहर की गणमान्य महिलाओं की उपस्थिति में कार्यक्रम अत्यंत सफल रहा। अंत में संस्था की ओर से सभी सखी सदस्यों को विशेष उपहार प्रदान किए गए।

40 दिनों के बाद बड़ी दीक्षा होगी: पूज्य युगादिचंद्र महाराज की

नूतन महाराज श्री ने अपने गृहस्थ आवास पर किए पगलिए, परिवारजन हुए भावविभोर

रामगंजमंडी. शाबाश इंडिया

गुरुवार प्रातः नूतन दीक्षित मुनि श्री युगादिचंद्र सागर महाराज ने आचार्य श्री आनंदचंद्र सागर सूरीजी महाराज साहब के साथ कंचन सिटी से मंगल विहार करते हुए अपने गृहस्थ आवास पर पगलिए किए। यह दृश्य अत्यंत भावुक और अभूतपूर्व था। जिस घर में कभी बाल्यकाल की अठखेलियां गूंजती थीं, उसी गृहस्थ आवास पर आज वे संयम और साधु जीवन के पथ पर अग्रसर होकर पहुंचे। इस अवसर पर परिवारजन हर्षित होने के साथ-साथ भावविभोर भी नजर आए। इसके पश्चात आचार्य श्री आनंदचंद्र सागर सूरीजी महाराज साहब ससंघ के साथ वहां विराजमान रहे तथा मांगलिक उद्बोधन प्रदान किया। इसके बाद आचार्य श्री ससंघ के साथ वैगन श्वेतांबर स्थानक पहुंचे, जहां आयोजित धर्मसभा में नूतन दीक्षित मुनि श्री युगादिचंद्र सागर महाराज के दीक्षा उपरांत आध्यात्मिक उल्लास और भावनाओं का अद्भुत संगम देखने को मिला। श्री वर्धमान जैन श्वेतांबर स्थानक में आयोजित धर्मसभा में पूज्य आचार्य श्री आनंदचंद्र सागर सूरी महाराज साहब ने कहा कि जिस प्रकार सूर्य का प्रकाश संसार को प्रकाशित करता है, उसी प्रकार भगवान महावीर का ज्ञान जीवन को आलोकित करता है। उन्होंने कहा कि हर परिस्थिति और हर पीड़ा का समाधान धर्म में निहित है। धर्म ही मनुष्य की रक्षा करता है और जिसके हृदय में धर्म होता है, उसे देवता भी नमस्कार करते हैं। पांच दिवसीय दीक्षा महोत्सव की भावनाओं को व्यक्त करते हुए पूज्य आचार्य ने कहा कि यदि इस पूरे आयोजन को दो शब्दों में कहना हो तो वे कहेंगे ''सेल्यूट रामगंजमंडी।'' आचार्य श्री ने कहा कि अब युगादिचंद्र महाराज की वास्तविक आत्मसंयम परीक्षा प्रारंभ होगी। उन्हें साधना एवं मर्यादाओं में तराशा जाएगा। अभी वे संघ के साथ रहेंगे, लेकिन कुछ मर्यादाएं और सीमाएं रहेंगी। लगभग 40 दिनों बाद बड़ी दीक्षा प्रदान की जाएगी, जिसके पश्चात ये सभी सीमाएं समाप्त हो जाएंगी। मुनि श्री चरित्रचंद्र सागर जी महाराज ने प्रेरक शैली में कहा कि दीक्षा अनुमोदना का पुण्य तो सभी को प्राप्त हुआ है, अब उसकी 'रॉयल्टी' भी सभी को मिलेगी। जिन्होंने दीक्षा की आज्ञा दी, अनुमोदना की, सहयोग किया, स्वागत किया और सहभागिता निभाई, उन सभी को इसका पुण्य लाभ प्राप्त होगा। उन्होंने कहा कि युगादिचंद्र सागर महाराज अब जो भी तप, ध्यान, साधना और आराधना करेंगे, उसका पुण्यांश 'रॉयल्टी' के रूप में सभी के पुण्य खाते में जुड़ता रहेगा। लेकिन इसके लिए धर्म और गुरु से जुड़े रहना आवश्यक है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि जैसे रिचार्ज बंद होने पर मोबाइल का नेटवर्क समाप्त हो जाता है और लंबे समय तक लेन-देन न होने पर बैंक खाता निष्क्रिय हो जाता है, वैसे ही धर्म से दूरी साधना के लाभ को कम कर देती है। नूतन दीक्षित युगादिचंद्र सागर महाराज ने अपने उद्बोधन में कहा कि किसी भी साधु-साध्वी की निंदा नहीं करनी चाहिए। गुरु से रजोहरण प्राप्त होने के साथ ही उनका संसार से संबंध समाप्त हो जाता है। उन्होंने कहा कि राग मनुष्य को संसार में बांधे रखता है। उन्होंने सभी के लिए मंगल भावना व्यक्त करते हुए कहा कि वे उच्च चरित्र के साथ मोक्षमार्ग पर निरंतर आगे बढ़ सकें। दीक्षा महोत्सव प्रवक्ता वीरेंद्र जैन ने बताया कि शुक्रवार, 8 मई को प्रातः 9:15 बजे पूज्य आचार्य श्री के प्रवचन श्री वर्धमान जैन स्थानक भवन में होंगे। इसके पश्चात सायं 4 बजे पूज्य आचार्य के सान्निध्य में नूतन दीक्षित युगादिचंद्र महाराज का प्रथम पैदल विहार जैन श्वेतांबर मंदिर, बाजार नंबर 3 से कोटा दिशा की ओर प्रारंभ होगा।

पैदल विहार मार्ग

जैन श्वेतांबर मंदिर, बाजार नंबर 3 से प्रारंभ होकर पुराना अस्पताल चौराहा, पन्नालाल चौराहा, नगर पालिका भवन के सामने, नारायण टॉकीज चौराहा होते हुए सुकेत मार्ग की सीमेंट रोड से कुदायला, निमाणा रोड होते हुए कौशल बाफना के सॉल्वेक्स प्लांट तक पहुंचेगा, जहां रात्रि विश्राम रहेगा। धर्मसभा में स्थानकवासी श्रीसंघ अध्यक्ष सागरमल बिजावत, दीक्षा महोत्सव संयोजक तेजमल सराफ, दादाराजेंद्र मेहता, माता प्रियंका मेहता, अंतिम वाला मेहता, स्थानकवासी नवयुवक मंडल महामंत्री लोकेश धूपिया एवं अंशुल मेहता ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए इस ऐतिहासिक आयोजन की सफलता पर सभी का आभार व्यक्त किया।

अभिषेक जैन लुहाड़िया, रामगंजमंडी

एपीपीएस की बायोडाटा संकलन समीक्षा बैठक आगरा में सम्पन्न

मुरैना/आगरा. शाबाश इंडिया। अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैसवाल जैन उपरोचियां समाज की सेवाभावी संस्था ''अविवाहित प्रतिभाएं प्रस्तुति समूह'' (एपीपीएस) द्वारा अविवाहित युवक-युवतियों के बायोडाटा संकलन को लेकर समीक्षा बैठक आगरा में आयोजित की गई। जैसवाल समाज बाहुल्य क्षेत्र आगरा में 21 वर्ष से अधिक आयु के विवाह योग्य युवक-युवतियों के बायोडाटा संकलन हेतु जैन भवन छीपीटोला में आयोजित इस बैठक में समाज के विभिन्न पदों पर आसीन आधा सैकड़ा से अधिक गणमान्यजन उपस्थित रहे। बैठक का शुभारंभ कवि श्री अखिलेश जैन ह्लमंत्रीह्व द्वारा मंगलाचरण से किया गया। बैठक में श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर छीपीटोला के अध्यक्ष मनोज जैन बल्लों एवं मंत्री मुरारीलाल जैन के सानिध्य में एपीपीएस के परम संरक्षक सुदीप जैन गुरुग्राम, संरक्षक सुरेशचंद जैन साउथ एक्स दिल्ली, मुख्य संयोजक अजय जैन शिवपुरी, रविंद जैन जमूसर वाले भोपाल, रूपेश जैन उत्तम नगर दिल्ली, संयोजक गौरव जैन इंदौर, राजकुमार जैन राजू धौलपुर एवं प्रवीण जैन राजकोट कमला नगर विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक में अजय जैन शिवपुरी ने आगरा क्षेत्र के शत-प्रतिशत विवाह योग्य युवक-युवतियों के बायोडाटा संकलन के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि समाज के व्यापक संकलन से सामाजिक एकता मजबूत होगी तथा अविवाहित प्रतिभाओं का परिचय समाज के समक्ष आने से अधिक से अधिक रिश्ते तय हो सकेंगे। रविंद जैन जमूसर वालों ने बताया कि देशभर के लगभग 5000 अविवाहित युवक-युवतियों का संकलन कर पत्रिका एवं ''जैसवाल परिणय एप'' के माध्यम से उनका परिचय कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस पहल से प्रतिवर्ष लगभग 500 रिश्ते तय होने की संभावना है। नई तकनीक पर आधारित हिंदी भाषा में निर्मित ''जैसवाल परिणय एप'' की उपयोगिता पर रूपेश जैन उत्तम नगर दिल्ली ने प्रकाश डालते हुए कहा कि वर्तमान पीढ़ी को जोड़ने के लिए यह एक अत्यंत प्रभावी माध्यम है।